चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 4-6-2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 7-8

हकृवि ने आईआईएमआर के साथ किया अनुबंध

अनुबंध पत्र दिखाते एचएयू व इंस्टीट्यूट के अधिकारी। - अमर उजाला

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च हैदराबाद के बीच अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व अनुसंधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च हैदराबाद के निदेशक डॉ. विलास ए टोनापी ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। कुलपति ने कहा कि उपरोक्त एमओयू के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि और संबद्ध विज्ञान के विषयों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च को

अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा और अनुसंधान में एक-दूसरे का करेंगे सहयोग

एमएससी और पीएचडी के छात्रों के लिए शिक्षण और शोध के लिए संस्थान के रूप में मान्यता देगा। इसी प्रकार हकृवि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक द्वारा अनुशंसित वैज्ञानिकों को पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी। दोनों पक्ष छात्रों के शोध कार्य के दौरान उत्पन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर)का संरक्षण सुनिश्चित करेंगे। संयुक्त गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त अनुसंधान परिणामों के मामले में भी दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से आईपीआर मांगा जाएगा। इस दौरान हकृवि के डीन स्नातकोत्तर अध्ययन डॉ. आशा कवात्रा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत और हैदराबाद इंस्टीट्यूट के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एचएस तलवार व डॉ. आर मधुसूदन भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 4.6.2019 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 4-6

करेंगे सहयोग हकृवि ने शिक्षा व अनुसंधान में सहयोग के लिए आइआइएमआर के साथ किया अनुबंध

संस्थान के रूप में मान्यता देगा हकृवि

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के बीच एक अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा और अनुसंधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च हैदराबाद के निदेशक डा. विलास ए. टोनापी ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि इस एमओयू के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि और संबद्ध विज्ञान के विषयों में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च को एमएससी और पीएचडी के छात्रों के लिए शिक्षण और शोध के लिए एक संस्थान के रूप में मान्यता देगा। इसी प्रकार हकृवि इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक द्वारा अनुशंसित वैज्ञानिकों को पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक, अनुसंधान और शिक्षण/ प्रशिक्षण के लिए छात्रों और फैकल्टी का आदान-प्रदान होगा।

कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन के साथ अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरि. भूमि

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 7-8

हकृवि ने आईआईएमआर के साथ किया अनुबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के बीच एक अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व अनुसंधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति, प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हकृवि की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. टोनापी ने इस समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हकृवि ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। इन समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि उपरोक्त एमओयू के अनुसार हकृवि कृषि और संबद्ध विज्ञान के विषयों में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च को एमएससी और पीएचडी के छात्रों के लिए शिक्षण और शोध के लिए एक संस्थान के रूप में मान्यता देगा। इसी प्रकार हकृवि इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक द्वारा अनुशंसित वैज्ञानिकों को पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी। इस अवसर पर हकृवि के डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन, डॉ. आशा कवात्रा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. एचएस तलवार व डॉ. आर मधुसूदन उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 5.6.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 5-6

एचएयू में एमएससी और पीएचडी के विद्यार्थी हैदराबाद की आईआईएमआर के साथ करेंगे शिक्षा, रिसर्च और ट्रेनिंग

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के बीच एक अनुबंध हुआ है। इसके अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व अनुसंधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में एचएयू की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक, डॉ. विलास ए. टोनापी ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान कुलपति ने कहा कि एकेडमिक व रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ किए एमओयू आगे चलकर खोज में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

एमओयू साइन करने के बाद दिखाते कुलपति।

एमओयू छात्रों को ये देगा लाभ

• एमओयू के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि और संबद्ध विज्ञान के विषयों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च को एमएससी और पीएचडी के छात्रों के लिए शिक्षण और शोध के लिए एक संस्थान के रूप में मान्यता देगा। • एचएयू इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक द्वारा वैज्ञानिकों को पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक ट्रिब्यून......

दिनांक ...4.6.2019... पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...8...

शिक्षा-अनुसंधान में मिलकर काम करेंगे हकृवि, आईआईएमआर

हिसार, 3 जून (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च (आईआईएमआर), हैदराबाद के मध्य शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग के लिए अनुबंध हुआ है। हकृवि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए टोनापी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर हकृवि के वीसी भी उपस्थित रहे। वीसी प्रो. केपी सिंह ने कहा कि एचएयू ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 3.6.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 4-6

हकृवि ने शिक्षा व अनुसंधान में सहयोग के लिए आईआईएमआर के साथ किया अनुबंध

हिसार, 3 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के बीच एक अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व अनुसंधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एम. एस. सिद्धपुरिया, और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. टोनापी ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। इन समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। कुलपति ने आगे कहा कि उपरोक्त एमओयू के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि और संबद्ध विज्ञान के विषयों में इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च को एमएससी और पीएचडी के छात्रों के लिए शिक्षण और शोध के लिए एक संस्थान के रूप में मान्यता देगा। इसी प्रकार हकृवि इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक द्वारा अनुशंसित वैज्ञानिकों को पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक, अनुसंधान और शिक्षण / प्रशिक्षण के लिए छात्रों और फैकल्टी का आदान-प्रदान होगा तथा दोनों पक्ष छात्रों के शोध कार्य के दौरान उत्पन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर)का संरक्षण सुनिश्चित करेंगे। संयुक्त गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त अनुसंधान परिणामों के मामले में भी दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से आईपीआर मांगा जाएगा। इस अवसर पर हकृवि के डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन, डॉ. आशा कवात्रा; अनुसंधान निदेशक, डॉ. एस.के. सहरावत और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. एच.एस. तलवार व डॉ. आर मधुसूदन भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......[illegible]......

दिनांक ...4.6.2019... पृष्ठ सं. ...8... कॉलम ...1-5...

शिक्षा व अनुसंधान में सहयोग के लिए हकृवि ने आईआईएमआर के साथ किया अनुबंध

हिसार, 3 जून (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के बीच एक अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व अनुसंधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे।

कुलपति, प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति

पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी

में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए. टोनापी ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। इन समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। कुलपति ने आगे कहा कि उपरोक्त एमओयू के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि और संबद्ध विज्ञान के विषयों में इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च को एमएससी और पीएचडी के छात्रों के लिए शिक्षण और शोध के लिए एक संस्थान के रूप में मान्यता देगा। इसी प्रकार हकृवि इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक द्वारा अनुशंसित वैज्ञानिकों को पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक, अनुसंधान और शिक्षण / प्रशिक्षण के लिए छात्रों और फैकल्टी का आदान-प्रदान होगा तथा दोनों पक्ष छात्रों के शोध कार्य के दौरान उत्पन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर)का संरक्षण सुनिश्चित करेंगे। संयुक्त गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त अनुसंधान परिणामों के मामले में भी दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से आईपीआर मांगा जाएगा। इस अवसर पर हकृवि के डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन, डॉ. आशा क्वात्रा; अनुसंधान निदेशक, डॉ. एस.के. सहरावत और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. एच.एस. तलवार व डॉ. आर मधुसूदन भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स....
दिनांक 3.6.2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....2-5....

हकृवि ने शिक्षा व अनुसंधान में सहयोग के लिए आईआईएमआर के साथ किया अनुबंध

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के बीच एक अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के अनुसार दोनों संस्थान शिक्षा व अनुसंधान में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे।

कुलपति, प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एम एस सिद्धपुरिया, और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च, हैदराबाद के निदेशक, डॉ. विलास ए टोनापी ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलपति, प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा हकृवि ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। इन समझौता ज्ञापनों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे है।

कुलपति ने कहा कि उपरोक्त एमओयू के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि और संबद्ध विज्ञान के विषयों में इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च को एमएससी और पीएचडी के छात्रों के लिए शिक्षण और शोध के लिए एक संस्थान के रूप में मान्यता देगा। इसी प्रकार हकृवि इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के निदेशक द्वारा अनुशंसित वैज्ञानिकों को पीएचडी छात्रों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए संकाय सदस्यों के रूप में मान्यता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक, अनुसंधान और शिक्षण / प्रशिक्षण के लिए छात्रों और फैकल्टी का आदान-प्रदान होगा तथा दोनों पक्ष छात्रों के शोध कार्य के दौरान उत्पन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर)का संरक्षण सुनिश्चित करेंगे। संयुक्त गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त अनुसंधान परिणामों के मामले में भी दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से आईपीआर मांगा जाएगा।

इस अवसर पर हकृवि के डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन, डॉ. आशा क्वात्रा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत और इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिल्लट रिसर्च के प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. एचएस तलवार व डॉ. आर मधुसूदन भी उपस्थित थे।

हिसार। कुलपति, प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन के साथ अधिकारीगण।